उपलब्धियां:

इस 25 दिन के बच्चे का वज़न जन्म से अब तक 1 किलो बढ़ गया है और उसकी लंबाई 55 सेंटीमीटर है। माँ ने श्योपुर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पिंकी शिवहरे से सीसी होल्ड का प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

जैसे-जैसे बच्चे का वज़न बढ़ा तो उसकी लंबाई में भी, सिर्फ़ एक महीने में, बढ़िया वृद्धि दिखाई दी है। शिवपुर आईसीडीएस की सुशीला गुर्जर की निगरानी की बदौलत, हमने बच्चे की लंबाई में उत्कृष्ट वृद्धि देखी है।

आइए, मिलकर एक स्वस्थ भारत का निर्माण करें।

यदि आप एक अस्पताल, सरकारी एजेंसी या एनजीओ से हैं और हमारे कार्यक्रम को अमल में लाना चाहते हैं, तो हमें इस पते पर लिखें:
health@spoken-tutorial.org

वेबसाइट:
https://health.spoken-tutorial.org/

YouTube चैनल:
www.youtube.com/@healthspokentutorial

पता:
स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट, CAD सेंटर के पीछे,
IIT बॉम्बे, पवई, मुंबई - 400076
फ़ोन नंबर: 022 2576 4229

Spoken Tutorial
IIT Bombay

EduPyramids

आईआईटी बॉम्बे में विकसित हेल्थ स्पोकन ट्यूटोरियल के माध्यम से भारत में कुपोषण का सामना

परिचय:

जीवन के पहले 1,000 दिन — गर्भाधान से लेकर दो वर्ष तक — बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। बच्चों पर एनएफएचएस-5 के आंकड़ों से पता चला कि 36% बच्चे बौने हैं, 32% कम वजन के हैं, और 21% दुबले हैं।

हेल्थ स्पोकन ट्यूटोरियल प्रशिक्षण:

हेल्थ स्पोकन ट्यूटोरियल (HST) 10 मिनट के स्व-शिक्षण ऑडियो-वीडियो ट्यूटोरियल हैं, जो 105 विषयों पर उपलब्ध हैं। ये अंग्रेज़ी, 10 क्षेत्रीय भाषाओं और 8 आदिवासी भाषाओं में ऑनलाइन और ऑफलाइन उपलब्ध हैं। इन का उद्देश्य जिला और राज्य स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रभावी एएनसी प्रोटीन परामर्श, स्तनपान और पूरक आहार पर प्रशिक्षित करना है।

यह प्रशिक्षण नासिक, नंदुरबार, वाशिम, नांदेड़ और चरण 1 के रूप में जशपुर (छत्तीसगढ़) जिले में लागू किया गया है। वर्तमान में यह चरण 2 में जशपुर जिले और मध्य प्रदेश के सात जिलों में चल रहा है। जल्द ही इसे मेघालय और झारखंड में लागू किया जाएगा। अंतर्निहित विधि की विश्वसनीयता अगस्त 2020 और सितंबर 2021 के बीच बनासकांठा, गुजरात में किए गए एक अर्ध-प्रायोगिक अध्ययन में सत्यापित की गई है। इसमें 0 से 14 हफ़्ते तक सिर्फ स्तनपान करने वाले 576 शिशु शामिल थे। 14 सप्ताह में मानक देखभाल समूह (16.7%) की तुलना में हस्तक्षेप समूह (5.3%) में कम वजन की व्यापकता तीन गुना कम थी।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में शामिल प्रमुख चरण

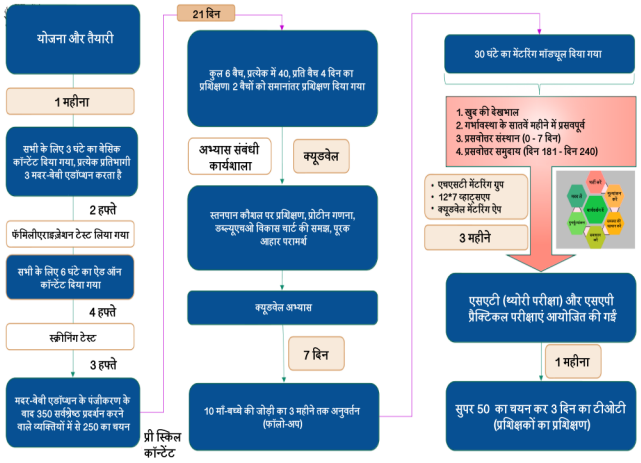

अनुभव:

"स्तनपान की बात करें तो, मेरे जैसे आम इंसान के मन में बस एक ही छवि और व्याख्या उभरती थी, वह है माँ द्वारा बच्चे को स्तन से लगाना, जब तक कि मुझे हेल्थ स्पोकन ट्यूटोरियल नहीं मिले, जिन्हें स्तनपान की प्रक्रिया को आसानी से 'मैकेनिकल इंजीनियरिंग' कहा जा सकता है। इन ट्यूटोरियल ने हमें पकड़ और लैच (स्तनपान कराने के लिए बच्चे के मुंह की पकड़) को इतने प्रभावी ढंग से सरल बनाने में मदद की कि हमें बच्चों के वज़न में उसी अनुपात में वृद्धि के साथ सकारात्मक और अच्छे परिणाम मिलने लगे। जहाँ नेशनल न्यूट्रिशन मिशन (राष्ट्रीय पोषण मिशन) के दिशानिर्देश प्रतिदिन 28 ग्राम वज़न बढ़ाने की सलाह देते हैं, वहीं हेल्थ स्पोकन ट्यूटोरियल ने हमें प्रतिदिन 35-40 ग्राम और यहाँ तक कि 50 ग्राम वज़न बढ़ाने में मदद की है।"

- मीनल करणवाल, उपविभागीय अधिकारी, परियोजना अधिकारी, नंदुरबार जिला (महाराष्ट्र), 2019 बैच की आईएएस अधिकारी।

2018 से अब तक 15,000 से अधिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को हेल्थ स्पोकन ट्यूटोरियल की मदद से स्तनपान और पूरक आहार पर प्रशिक्षित किया गया है।

उपलब्धियां: